मिहिर को मरा समझकर भालू चला गया। उसके जाते ही डेविड पेड़ से नीचे उतरा। उसने मिहिर से पूछा, ''भालू तुम्हारे कान में क्या कह गया ?''

मिहिर बोला, ''भालू कह रहा था कि संकट में साथ छोड़ देने वाले 'सच्चे मित्र' नहीं होते हैं।''

लेखन– **चित्र देखो, समझो और चार से पाँच वाक्यों में कहानी लिखकर उसे शीर्षक दो :**

शीर्षक ------------------------

2FHZQ7

गीत – पढ़ो, साभिनय गाओ और लिखो :

२. मेरी गुड़िया

– शास्त्री धर्मपाल

मेरी गुड़िया कुछ तो बोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया...

भूखी है तू कैसे जानूँ,
प्यासी है यह कैसे मानूँ ?
अब मत कर तू टालमटोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया ...

भूखी है तो बिस्कुट लाऊँ,
पिस्तेवाली खीर खिलाऊँ ।
बरफी की भर लाऊँ झोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया ...

प्यासी है तो पानी लाऊँ,
ठंडा शरबत तुझे पिलाऊँ ।
कब तक रहेगी बनी अबोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया ...

2FHVRU

चित्रकहानी – पढ़ो और लिखो :

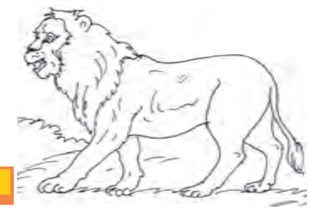

३. शेर और चूहा

एक में एक था । वहीं पास में एक रहता था । एक दिन अपनी के बाहर के नीचे सो रहा था । उसी समय अपनी से निकला और की पीठ पर चढ़कर कूदने लगा । की नींद खुल गई और उसने को अपने में पकड़ लिया। बहुत घबरा गया। वह से बिनती करने लगा, ''कृपया, मुझे छोड़ दीजिए। मैं किसी दिन आपके काम आऊँगा।'' को पर दया आ गई । उसने को छोड़ दिया । एक दिन फिर के बाहर सो रहा था । उसी समय एक ने उसपर डाल दिया । में फँस गया । वह जोर-जोर से दहाड़ने लगा। की दहाड़ ने सुनी। वह दौड़कर के पास आया । उसने अपने तेज दाँतों से 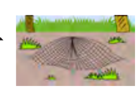 को काट दिया । से बाहर निकल गया । उस दिन से दोनों मित्र बन गए ।

लेखन–

(अ) एक या दो शब्दों में उत्तर लिखो :

(१) गुफा में कौन रहता था ? ----------

(२) चूहा शेर की पीठ पर क्या करने लगा ? ----------

(३) शेर ने चूहे को किसमें पकड़ा ? ----------

(४) शेर पर जाल किसने फेंका ? ----------

(ब) एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(१) शिकारी ने किसपर जाल डाला ?

----

(२) चूहे ने दाँतों से क्या काटा ?

2NHMKZ

वाचन – पढ़ो और लिखो :

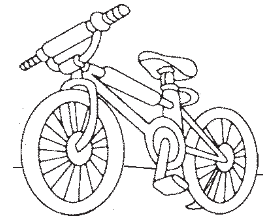

४. छोटा ग्राहक

रूपेश : भैया ! मेरी साइकिल पंचर हो गई है । इसे देखो ।

साइकिलवाला : बेटा, इसमें तो कील लगी है । पूरी ट्यूब फट गई है ।

रूपेश : तो क्या यह अब ठीक नहीं हो पाएगी ?

साइकिलवाला : नई ट्यूब डालनी पड़ेगी । पैसे अधिक लगेंगे ।

रूपेश : क्या मैं पिता जी को साथ ले आऊँ ?

साइकिलवाला : हाँ ! यह अच्छा रहेगा । (रूपेश पिता जी को लेकर आता है ।)

पिता जी : भाई, मैं यह ट्यूब खरीदकर लाया हूँ । यह ट्यूब डाल दो ।

साइकिलवाला : जी, बाबू जी ।

रूपेश : पापा, इनको पैसे मैं दूँगा ।

साइकिलवाला : **(हँसते हुए)** हाँ–हाँ मेरे ग्राहक तो तुम ही हो बेटा ।

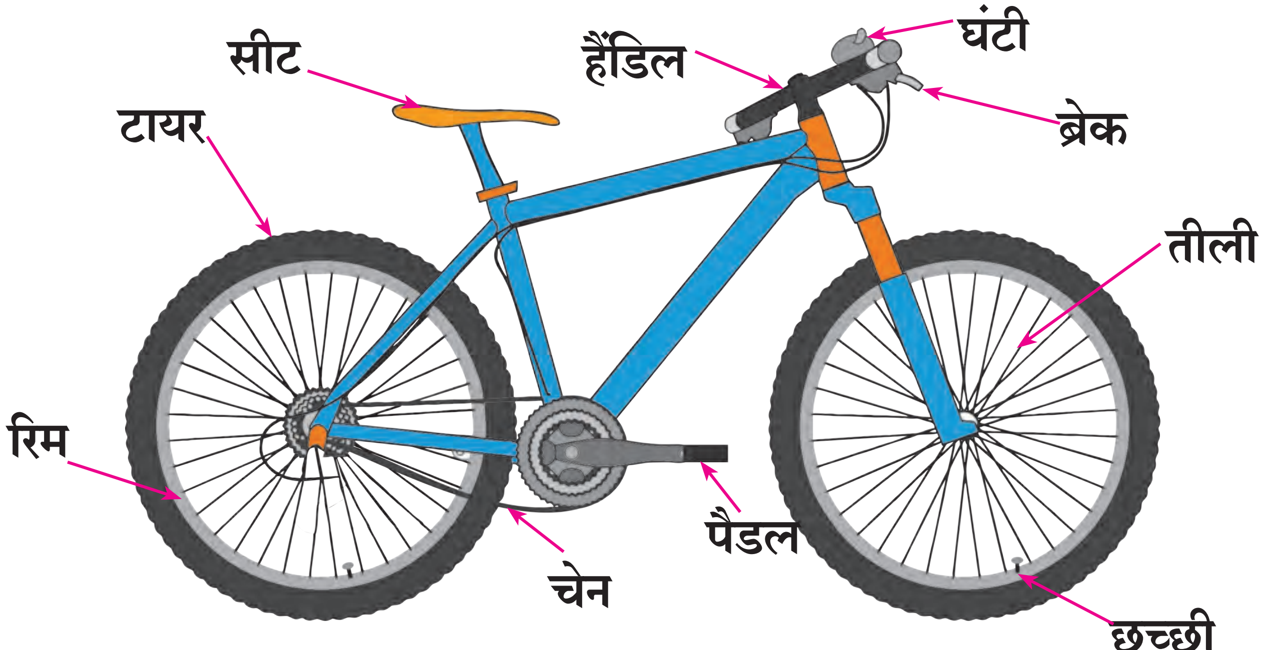

2P6IMM

वाचन – पढ़ो, समझो और बनाओ :

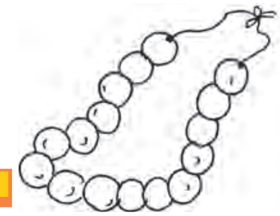

५. मिट्‌टी की माला

आओ, बड़ों की सहायता से मिट्‌टी की गोलियों की माला बनाओ ।

सामग्री :– गीली मिट्‌टी, पानी, विविध रंग, ब्रश, धागा, सींक ।

कृतिः–

(१) मिट्‌टी लो ।
(२) उसमें थोड़ा पानी डालकर उसे गूँथो ।
(३) उसका गोला बनाओ ।
(४) गूँथे हुए गोले की मिट्‌टी से छोटी–छोटी तथा गोल आकार की गोलियाँ बनाओ ।
(५) प्रत्येक गोली के बीच में सींक की सहायता से आर–पार छेद करो ।
(६) सभी गोलियों को सुखाकर अलग–अलग रंगों से रँगो ।
(७) रंगीन गोलियों को धागों में पिरोकर मालाएँ बनाओ ।
(८) अब उन मालाओं की प्रदर्शनी लगाओ ।

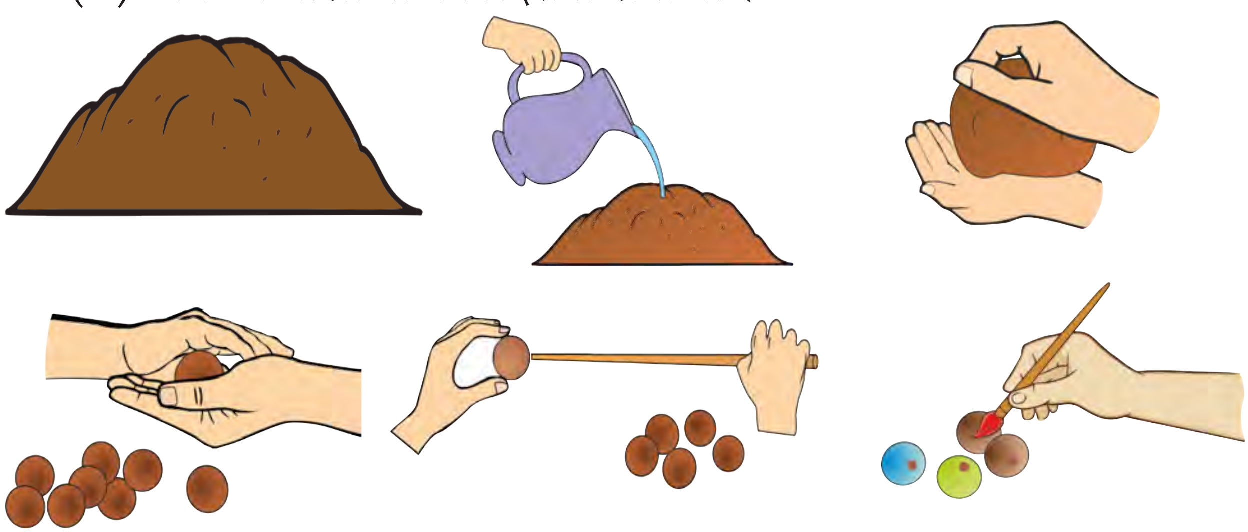

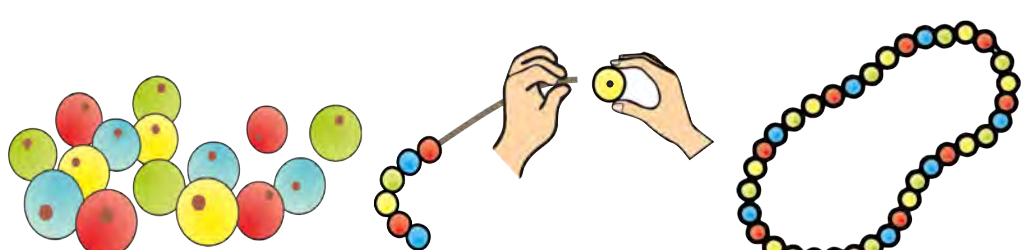

आकलन – पढ़ो, पहचानो और बताओ :

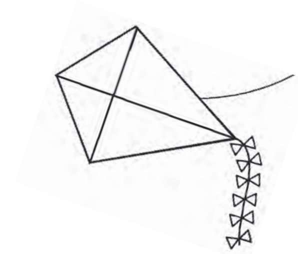

६. मैं हूँ कौन ?

दो पहियों पर चलकर मैं,
खेतों–खलिहानों में जाती ।
चरर–मरर करती मैं चलती,
हूँ किसान की सेवा करती ।
मुझको दुनिया क्या कहती ?

लाल, नीले, पीले रंग की,
आसमान में उड़ती मैं ।
जब तक डोरी तेरे हाथ है,
तब तक वश में रहती मैं ।
मुझको दुनिया क्या कहती ?

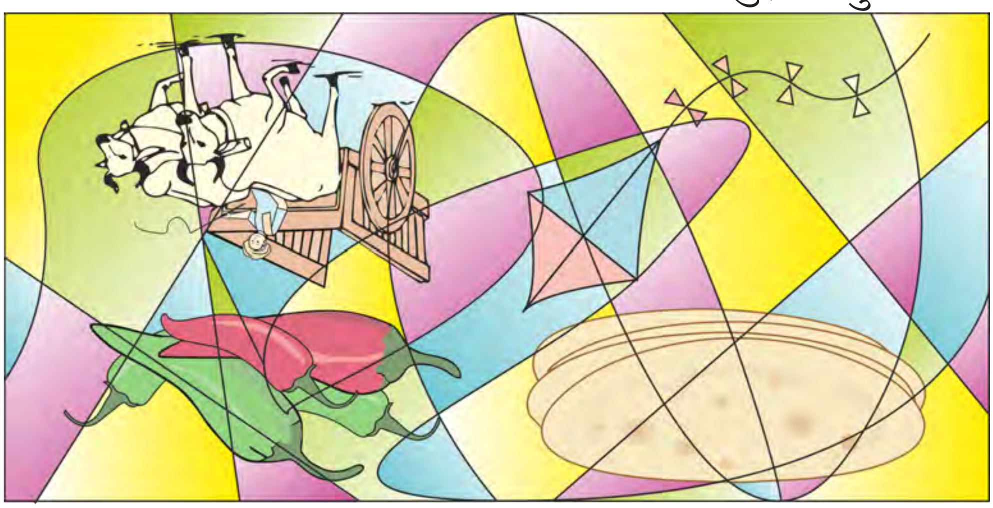

कच्ची हूँ तो हरी दीखती,
पकने पर हो जाती लाल ।
स्वाद मेरा होता है तीखा,
जो खाए हो जाए बेहाल,
मुझको दुनिया क्या कहती ?

दीखती हूँ मैं गोल–गोल
सबके घर में बनती हूँ ।
सभी मुझे हैं चाव से खाते
सबकी भूख मिटाती हूँ ।
मुझको दुनिया क्या कहती ?

2PPAQX

वाचन – पढ़ो, समझो और बताओ :

७. सुखी परिवार

एक बाग में आम और महुआ के पेड़ पास–पास थे । आम के पेड़ पर मिनी चिड़िया का घोंसला था । उस घोंसले में दो बच्चे थे । मिनी चिड़िया बाहर से भोजन लेकर आती और अपने दोनों बच्चों को खिलाती थी । दोनों बच्चे चूँ–चूँ करके बड़े प्रेम से खाते और घोंसले में आराम से खेलते–सोते थे । वे सब बहुत सुखी थे ।

महुआ के पेड़ पर चिनी चिड़िया का घोंसला था । उस घोंसले में चिनी के चार बच्चे थे । चिनी जब चारा लेकर आती तो चारों बच्चे चूँ–चूँ, चीं–चीं करके शोर मचाते । चिनी चिड़िया सबकी चोंच में भोजन डालती पर चारों के पेट नहीं भरते थे । दिन भर वे चारों आपस में लड़ते–झगड़ते रहते थे । चिनी चिड़िया का परिवार बहुत दुखी रहता था ।

2PY6SK

वाचन – पढ़ो, समझो और लिखो :

८. वाचन कुटी

एक दिन रमा की पाठशाला के परिसर में लकड़ी का काम चल रहा था । रमा ने कारीगरों के काम को देखकर अपने गुरु जी से पूछा, ‘‘गुरु जी, यहाँ क्या काम चल रहा है ?’’ गुरु जी बोले, ‘‘रमा, यहाँ वाचन कुटी तैयार करने का काम चल रहा है ।’’

रमा बोली, ‘‘गुरु जी वाचन कुटी क्या होती है ?’’ गुरु जी बोले ‘‘पुराने समय में गुरुकुल आश्रम होते थे । बच्चे गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण करते थे । उनके आश्रम में अध्ययन के लिए ऐसी कुटी होती थी जिसमें अध्ययन सामग्री का भंडार होता था ।’’ रमा बोली, ‘‘गुरु जी हमारी पाठशाला के ग्रंथालय की तरह ?’’ गुरु जी बोले, ‘‘हाँ, रमा तुमने ठीक कहा लेकिन ग्रंथालय में हम चार दीवारों के बीच वाचन करते हैं । वाचन कुटी में हम खुले वातावरण में शांत तथा एकाग्र होकर वाचन करेंगे ।’’

रमा बोली, ‘‘गुरु जी पाठशाला में वाचन कुटी बनने पर हम भी वाचन करेंगे । हमें बड़ा आनंद आएगा ।’’ गुरु जी बोले, ‘‘शाबाश रमा ! मुझे तुमसे यही आशा है । तुम्हारे विचार बहुत उत्तम हैं ।’’

गीत – पढ़ो और गाओ :

९. ध्वजगीत

– सोहनलाल द्‌विवेदी

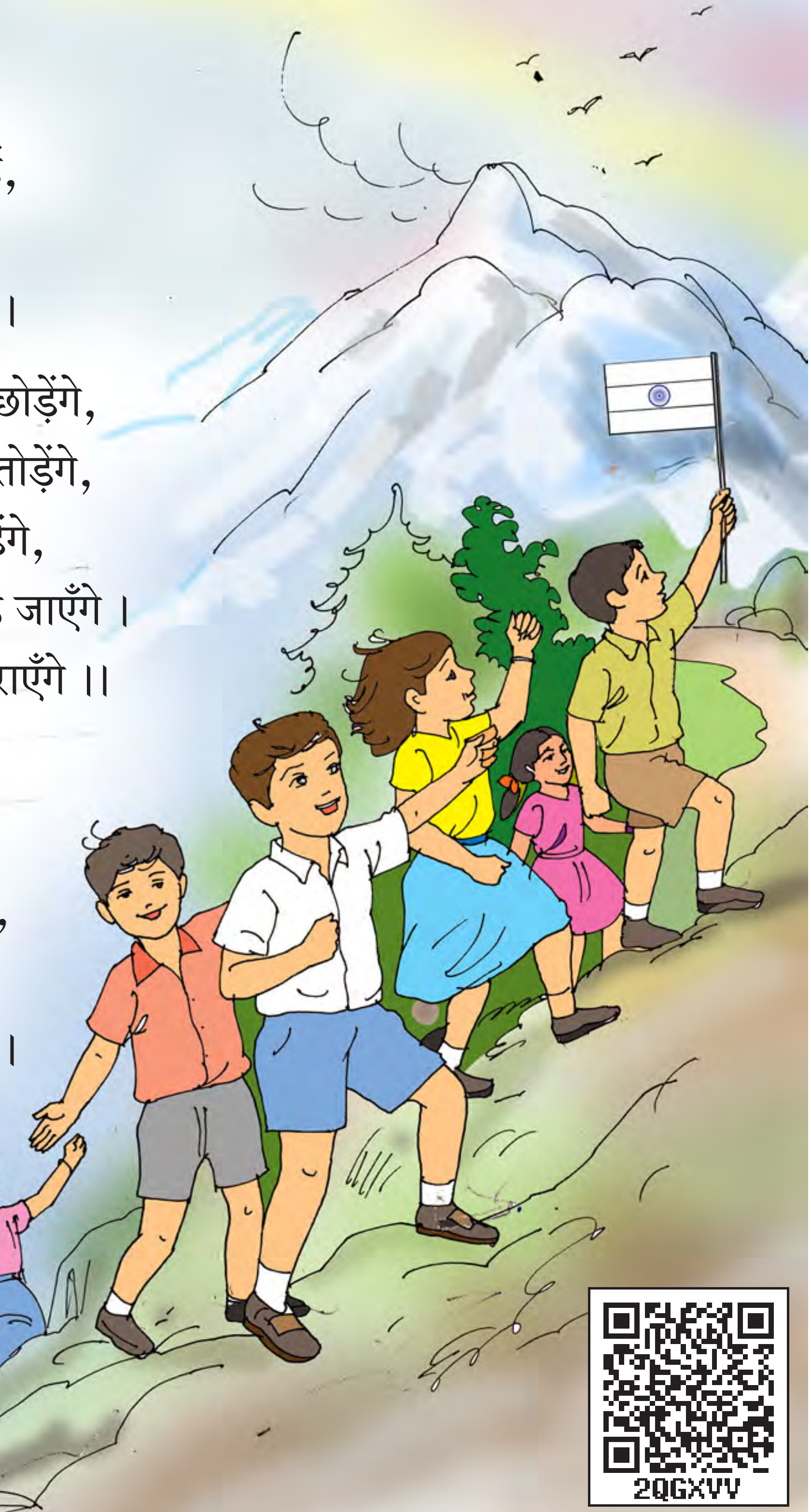

हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं,
नादान उमर के कच्चे हैं,
पर, अपनी धुन के पक्के हैं,
आजादी पर इठलाएँगे ।
भारत का ध्वज फहराएँगे ।।

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे,
हम हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे ।
भारत का ध्वज फहराएँगे ।।

हम भय से कभी न डोलेंगे,
अपनी ताकत को तोलेंगे,
माता की जय-जय बोलेंगे,
अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे,
भारत का ध्वज फहराएँगे ।।

2QGXVV

✻ पुनरावर्तन–२

सुनो और दोहराओ :

(१) पुस्तक		पुस्तकें	
(२) तारा		तारे	
(३) तितली		तितलियाँ	
(४) माला		मालाएँ	

बताओ :

(१) सामने आकर अपना परिचय दो ।
(२) रोटी बनाने की विधि क्रम से अभिनय के साथ बताओ ।
(३) दूरदर्शन पर विज्ञापन सुनो और हाव–भाव से सुनाओ ।
(४) कोई वस्तु देखकर उसके विषय में तीन वाक्य बोलो ।

वाक्य पढ़ो तथा गलत शब्द को काटो :

(१) घोड़ा घास खा / पी रहा है ।
(२) बिल्ली दूध / दही पी रही है ।
(३) हम पुस्तक पढ़ / लिख रहे हैं ।
(४) मेरा / मेरी नाम अजय है ।
(५) पायल गाँव जा रहा/रही है ।
(६) हर्ष कबड्डी खेलता/खेलती है ।

चित्र देखकर वाक्य पूर्ण करो :

(१) यह .... है ।
(२) इसका रंग .... तथा .... है ।
(३) इसका आकार .... है ।
(४) यह .... के काम आती है ।
(५) यह मुझे बहुत ....लगती है ।

मधुमक्खी अपने छत्ते तक कैसे पहुँचेगी, उसे उँगली से दिखाओ :

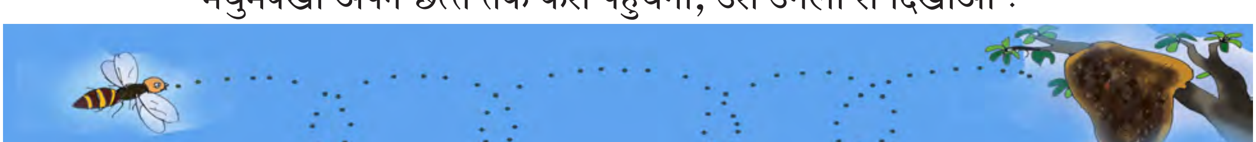

चित्र का निरीक्षण करके कहानी कहो और प्रश्नों के उत्तर लिखो :

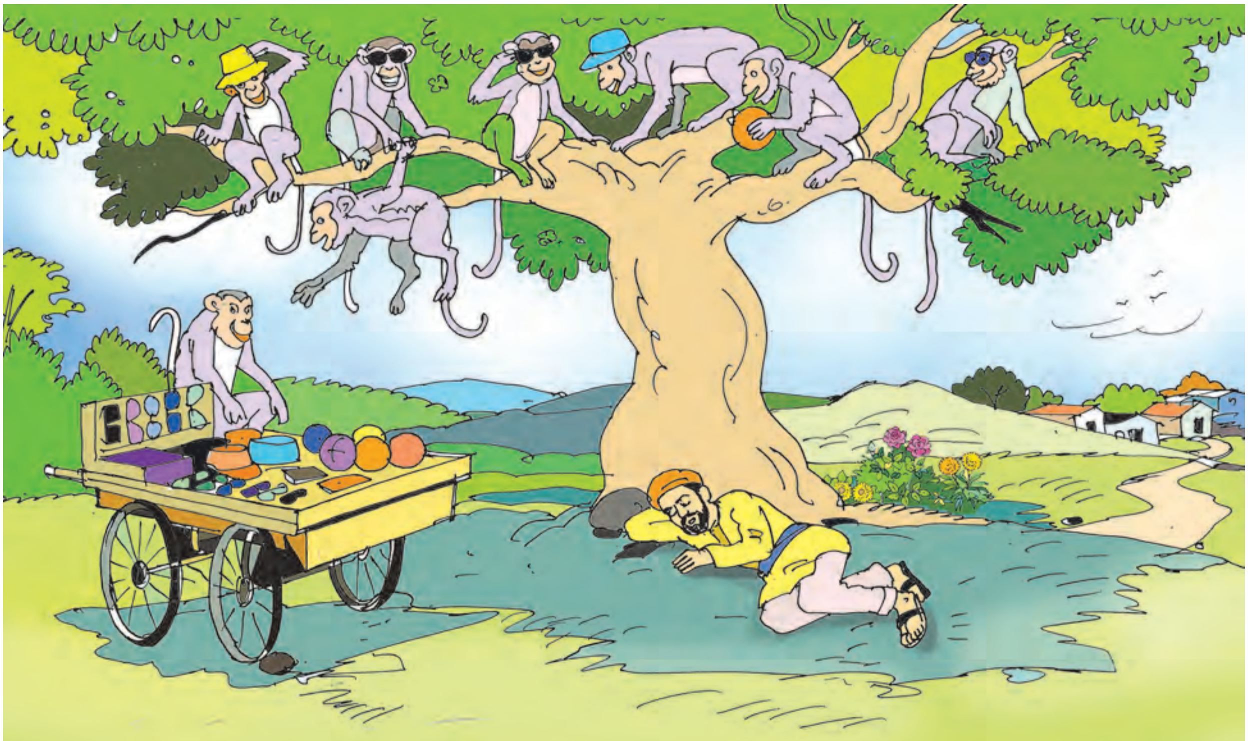

लिखो :

(१) कितने बंदरों ने चश्मा पहना है ?

----

(२) बंदरों ने सिर पर क्या पहनी है ?

----

(३) कितने बंदरों के हाथ में गेंद है ?

----

(४) फूल कहाँ हैं ?

देखो और समझो :

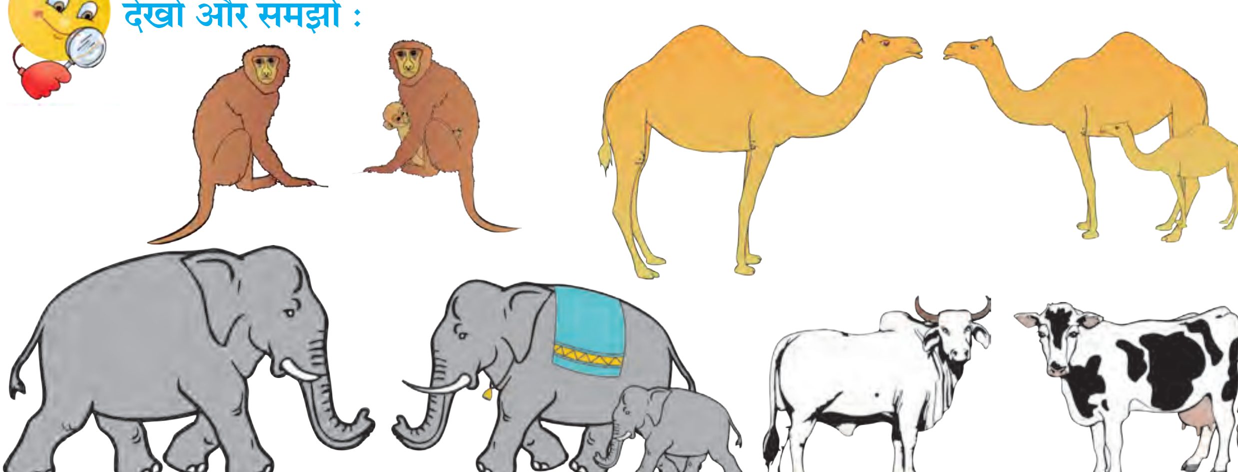

वाचन – पढ़ो, समझो और बोलो :

वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	अँ	ऑ
क	ख	ग	घ	ङ			
च	छ	ज	झ	ञ			
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़	
त	थ	द	ध	न			
प	फ	ब	भ	म			
य	र	ल	व				
श	ष	स	ह	ळ			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र				

लेखन – पंद्रहखड़ी पूरी करो :

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः	कँ	कॉ
ज														
ट														
थ														
ब														